

बिहार में बजिली गरिने से मौत

चर्चा में क्यों?

हाल ही में बिहार के अलग-अलग इलाकों में **बजिली गरिने** से कम-से-कम 12 लोगों की मौत हो गई। **मुख्यमंत्री** ने इन मौतों पर अपनी संवेदना व्यक्त की और **प्रत्येक के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा** की।

- अनुग्रहपूर्वक भुगतान का अर्थ है किसी संगठन या सरकार द्वारा **दावों और क्षतियों के लिये व्यक्तियों को कथिा जाने वाला भुगतान**।

मुख्य बडि

- मुख्यमंत्री ने लोगों से सतर्क रहने और **आँधी-तूफान के दौरान घर पर रहने को कहा** है।
- उन्होंने नागरिकों को **राज्य आपदा प्रबंधन विभाग** द्वारा आँधी-तूफान और अत्यधिक वर्षा के संबंध में जारी की गई सलाह का पालन करने के लिये भी प्रोत्साहति कथिा है।
- **बिहार आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट 2023-2024** के अनुसार, राज्य में वर्ष 2022-23 में **बजिली और वज्रपात से संबंधति 400 मौतें हुई** तथा सबसे ज़्यादा मौतें गया (46), भोजपुर (23) और नवादा (21) में हुई।
- राज्य सरकार ने वर्ष 2022-23 में आपदा प्रबंधन के लिये 430 करोड़ रुपए आवंटति कथिा और इसमें से 285.22 करोड़ रुपए बजिली गरिने तथा डूबने जैसी स्थानीय आपदाओं के लिये खर्च कथिा गए।

बजिली चमकना

- यह "मेघ और ज़मीन के बीच या बादल के भीतर **बहुत कम अवधति तथा उच्च वोल्टेज के वदियुत नरिवहन**" की प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसके साथ एक चमकदार चमक, एक तेज़ आवाज़ एवं कभी-कभी आँधी भी आती है।
- आकाशीय बजिली एक शक्तिशाली और दृश्यमान वदियुत घटना है जो तब घटति होती है जब **बादलों के अंदर एवं बादलों तथा ज़मीन के बीच वदियुत आवेश का नरिमाण होता है**।